

हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, रविवार 9 अगस्त 2026

13 सर्विस लेन पर बारिश में गहरे भरकर खानापूर्ति



14 कांवड़ यात्रा को देखते हुए वाहनों के लिए एडवाइजरी



खबर संक्षेप

बंद फैक्ट्री से दरवाजे और बिजली के तार उखाड़ ले गए चोर

बहादुरगढ़। आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित बंद फैक्ट्री में चोरों ने जमकर उत्पात मचाया। दरवाजे, बिजली की फिटिंग सहित अन्य सामान उखाड़कर ले गए। शिकायत के आधार पर एमआईई चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरअसल, पश्चिम विहार निवासी विजय की यहां एमआईई पार्ट ए में फैक्ट्री है। गत फरवरी माह में यह फैक्ट्री खाली हुई थी। तब से बंद पड़ी है। विजय की कंपनी में मैनेजर आशीष का कहना है कि 4 अगस्त को सूचना मिली कि फैक्ट्री का मुख्य गेट खुला हुआ है। इसके बाद हम मौके पर पहुंचे। देखा तो अंदर सब कुछ अस्त व्यस्त था। ग्राउंड फ्लोर पर ऑफिस तथा शौचालय के एल्यूमीनियम के दरवाजे गायब थे। दूसरी मंजिल पर भी शौचालय का दरवाजा चोरी था। बिजली की फिटिंग उखाड़ी गई थी और एमसीबी भी गायब मिले। वारदात से काफी नुकसान हुआ है। आशीष की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खेत में जा रही बिजली लाइन से तार चोरी

झज्जर। क्षेत्र के गांव लाडपुर में चोरों द्वारा ट्यूबवेल के लिए खेत में जा रही बिजली लाइन से तार चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित किसान देवेंद्र ने बताया कि उसने अपने खेत में ट्यूबवेल के लिए बिजली कनेक्शन ले रखा है। बिजली कनेक्शन के लिए खेत में करीब पांच खंभे लगाए गए थे। जब वह 6 अगस्त को खेत में पहुंचा तो वहां खंभों से तार चोरी मिले। उसने अपने स्तर पर चोरों की तलाश भी की, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। पुलिस द्वारा इस संबंध में नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। वहीं, बहादुरगढ़ क्षेत्र के गांव लाडपुर में एक किसान के खेत में लगे बिजली के खंभों से कई मीटर तार काट दी गई है। शिकायतकर्ता किसान देवेंद्र का कहना है कि खेतीबाड़ी कार्य के लिए बिजली कनेक्शन ले रखा है। खेत में गया तो बिजली की तार कटी हुई मिली।

बेरी काठमंडी में रक्तदान शिविर आज

झज्जर। क्षेत्र की गैर-सरकारी संस्था युवा जागृति एवं सामाजिक उत्थान मंच द्वारा रविवार को बेरी काठ मंडी स्थित अग्रवाल स्नातक भवन में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। मंच प्रधान दिनेश कुमार ने बताया कि शिविर में रक्त एकत्रण का कार्य राष्ट्रीय कैसर संस्थान बाढ़सा ब्लड बैंक की टीम द्वारा किया जाएगा। संगठन द्वारा आयोजित इस वर्ष का दूसरा रक्तदान शिविर होगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में इस शिविर में पहुंचकर रक्तदान के पुनित कार्य में भाग लें।

एडमिशन

कॉलेज में हर कोर्स में सीटें हैं खाली, अनारक्षित हुई रिजर्व सीटें

यूजी प्रथम वर्ष के लिए प्रवेश पोर्टल आज से फिर खुलेगा

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा जारी संशोधित प्रवेश कार्यक्रम के अनुसार स्नातक (यूजी) प्रथम वर्ष में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल रविवार को फिर से खोला जाएगा। इस दौरान विद्यार्थी नए पंजीकरण के साथ ही अपने आवेदन पत्र में आवश्यक संशोधन भी कर सकेंगे।

तीसरी मेरिट लिस्ट शनिवार को कॉलेजों के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गई। इसके आधार पर रात 12 बजे तक फीस भरकर छात्र अपना दाखिला सुनिश्चित कर सकते हैं। राजकीय महाविद्यालय



बहादुरगढ़। वैश्य कॉलेज में एडमिशन प्रक्रिया पूरी करवाती छात्राएं।

के नोडल अधिकारी डॉ. कमल कुमार रंगा ने बताया कि अब रविवार से पोर्टल दोबारा खुलेगा और आपन काउंसलिंग शुरू होगी। एआईओसी, एचओजीसी, बीसी व डीए के लिए आरक्षित सीटें अब

अनारक्षित हो गई हैं। रविवार को महाविद्यालय खुला रहेगा। उन्होंने बताया कि कॉलेज में शनिवार शाम तक बीए में 189 एडमिशन हो गए हैं और 131 सीटें रिक्त हैं। बीए इवनिंग में 70 दाखिले



शिव का ही भरोसा... झज्जर में सांपला रोड पर जलभराव के कारण नाले के ऊपर से गुजरने को मजबूर हुए कांवड़िए।

सड़कें बनीं दरिया

131 एमएम बरसात झज्जर में

हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

शनिवार अलसुबह हुई तेज बरसात ने शहर की जलनिकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। बारिश के बाद शहर की अधिकांश सड़कें जलमग्न हो गईं और कई स्थानों पर दो से तीन फुट तक पानी भर गया। हालात ऐसे रहे कि सड़क और आसपास के क्षेत्र में अंतर करना मुश्किल हो गया। बारिश बंद होने के तीन से चार घंटे बाद तक भी कई इलाकों से पानी की निकासी नहीं हो पाई, जिससे राहगीरों के साथ-साथ स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

शहर के दिल्ली गेट स्थित महाराजा अग्रसेन चौक, छारा चुंगी, सीताराम गेट, गाजीकमाल मंदिर के नजदीक, आंबेडकर चौक, पुराना बस स्टैंड रोड, छिक्कारा चौक, सब्जी मंडी, सिलांनी गेट, भट्टी गेट, कच्चा बाबरा रोड, माता गेट तथा कच्चा सुर्खपुर रोड स्थित नीमवाली

80 एमएम बरसात बहादुरगढ़ में

रेस्ट हाउस में पानी घुसा, कट्टे लगाए



शहर के कच्चा तलाव रोड स्थित सिवाई विभाग के रेस्ट हाउस में भी बरखाती पानी भर गया। इसी प्रकार कच्चा सुर्खपुर रोड स्थित नीमवाली कॉलोनी में भी भारी जलभराव रहा। पहले से उखड़ी सड़क और उस पर भरे बरखाती पानी के कारण यहां लोगों का आवागमन लगभग बंद रहा।

कॉलोनी में जलभराव की स्थिति बनी रही। शहर के भगत सिंह चौक से धौड़ चौक और खेड़ी खातीवास जाने वाले मार्ग पर बारिश के बाद इतना जलभराव हो गया कि चारों तरफ पानी ही पानी नजर आया।



दीए तले अंधेरा

झज्जर। लघु सचिवालय के मुख्य द्वार पर हुआ जलभराव।

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर तीन दिन से चल रहा प्रदर्शन

3 दिन बड़ी सफाई कर्मियों की हड़ताल

13 मई को संघ व सरकार के बीच हुए समझौते को लागू करने की मांग

हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर परिषद के सफाई कर्मचारी शनिवार को भी हड़ताल पर रहे। कर्मचारियों ने नगर परिषद कार्यालय परिसर में प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रमुख मांगों के प्रति आवाज उठाई। मंच संचालन इकाई सचिव विकास उज्जैनवाल द्वारा किया गया। नगर परिषद सफाई कर्मचारी यूनियन के इकाई प्रधान शिवम चावरिया ने बताया कि संघ के आह्वान पर हड़ताल को तीन दिन और बढ़ाया गया है। उनकी प्रमुख मांगों में 13 मई को संघ व सरकार के बीच हुए समझौते को लागू करना, फीरदाबाद अफिनकांड में काल का ग्रास बने कर्मचारियों के परिवार को एक-एक करोड़ रुपया मुआवजा व सरकारी नौकरी, पे रोल के सफाई कर्मचारी व सीवरमैन को पक्का करना, वर्ष 2014 में जिले में हटाए हुए 60 कर्मचारियों को ड्यूटी पर वापस लेना शामिल है।



झज्जर। नगर परिषद कार्यालय के बाहर हड़ताल के दौरान नारेबाजी करते हुए सफाई कर्मचारी।

सफाई कर्मचारी की ड्यूटी के दौरान मृत्यु पर 20 लाख देने की मांग

सफाई कर्मियों की ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, ठेका प्रथा बंद करना, सेवाविृत्ति पर कर्मचारियों को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद, सभी पे रोल फायरमैन व चालकों को नियमित करना, जोखिम भरा पांच हजार रुपये करना, एचकेआरएनएल व विभिन्न ठेकों में लगे तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को नीति बनाकर पक्का करना तथा पक्का करने तक तीस हजार रुपये वेतन, एचकेआरएनएल सफाई कर्मचारियों को पे रोल पर लिए जाने की मांग शामिल है। इस मौके पर जिला सचिव गौरव, ऑडिटर कृष्ण, सलाहकार सुरेश, सह सचिव बबली, महिला उप प्रधान कमलेश, मनीषा, शीतल, रानी, दया, सुषमा, सुमित्रा, सीमा, अंजू, सुरेश, रविंद्र, विक्रम, नवीन, अमित, मुकेश, विनोद, दुष्यंत, रितु, गीता, रामरती, संतोष, बबिता, सुनीता, रेखा, ऊषा, राजेश, शिखर, रमन, सुनील, विनोद, विजय, हरिओम, जितेंद्र व मनोज सहित अन्य भी उपस्थित रहे।



बहादुरगढ़। नगर परिषद के गेट पर धरनारत सफाई कर्मचारी प्रदर्शन करते हुए।

17 मांगों पर जल्द पत्र जारी हो

बहादुरगढ़। सफाई कर्मचारियों की राज्यव्यापी हड़ताल 3 दिन के लिए और बढ़ा दी गई है। अब 11 अगस्त तक यह हड़ताल जारी रहेगी। शनिवार को नगर परिषद के गेट पर धरनारत कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और लखित मांगों को जल्द पूरा करने की मांग उठाई। हड़ताल की अध्यक्षता इकाई प्रधान राजेश बालगुहेर ने की, जबकि मंच संचालन इकाई सचिव अमित ने किया। जिला प्रधान राजेंद्र तुषामंड ने कहा कि सरकार को कर्मचारियों से किए गए समझौतों और सहमत मांगों को जल्द लागू करना चाहिए। एचकेआरएनएल को भंग करने और सफाई कर्मचारी नेताओं तथा सरकार के बीच 17 मांगों पर बनी सहमति के संबंध में आधिकारिक पत्र जारी करने की मांग भी उठाई गई। मुकेश दरोगा, लीला राम, ऊषा देवी, होशियार सिंह दरोगा, सुनील, सरोज, संदीप टॉक, इंदमल, जय भगवान, सोनू, संदीप, नन्दराम दरोगा, कुलदीप, भीम सिंह, बिट्टू, प्रोतम, मनजीत, विक्रान्त, अमन, काना, प्रमिला, ऊषा और अनीता सहित अन्य कर्मचारी हड़ताल में शामिल रहे।

प्रशासन के तमाम दावों के बावजूद जलभराव से जूझ रहा शहर

निकासी टप, शहर हुआ पानी-पानी



बहादुरगढ़। शुक्रवार रात से हो रही झमाझम बरसात से शहर एक बार फिर पानी-पानी होना नजर आया। मौसम ठंडा होने के बाद जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं सड़कों पर हुए जलभराव ने लोगों को परेशानी बढ़ाई। इसके साथ ही बरसात देख किसानों के चेहरे भी खिल गए। शुक्रवार सुबह 8 बजे से शनिवार सुबह 8 बजे तक बहादुरगढ़ में 69 एमएम बरसात रिकॉर्ड की गई, जबकि शनिवार सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक 11 एमएम बरसात हुई। शहर के महाबीर पार्क, सैनीपुरा, उत्तम कॉलोनी, विकास नगर, झज्जर रोड, सेक्टर-6 समेत कई इलाकों में जलभराव ने लोगों को परेशान कर दिया।

जलघर परिसर की दीवार ढही

झज्जर। गुरुवाम रोड व रेवाड़ी रोड की बीच स्थित जलघर परिसर की रेवाड़ी रोड की दीवार भी बरसात के दौरान ढह गई। दीवार टूटने के बाद तेज बरसात के कारण हुए जलभराव से सड़क का बरखाती पानी जलघर परिसर में जमा होने लगा। इससे जलघर परिसर में भी जलभराव की स्थिति बन गई। हालांकि जिला प्रशासन के संहान में आने पर वहां शोध ही टैन के माध्यम से एक अस्थायी दीवार का निर्माण किया गया। इसके बाद जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने कार्रवाई करते हुए मलाना हटवाकर जीआई शीट से दीवार की अस्थायी बैरिकेडिंग कर दी है। जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन अश्वनी सांगवान ने बताया कि नागरिकों को केवल उचित रूप से फिल्टर एवं शुद्ध किया हुआ पानी ही सप्लाई किया जाएगा।



डीसी ने किया शहर का दौरा



झज्जर। डीसी वर्षा खंगवाल ने नगर परिषद चेयरमैन जिले सिंह सेनी के साथ शहर के जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने कच्चा बादली रोड, बेरी रोड, छारा चुंगी, कच्चा तलाव रोड तथा डायवर्जन रोड के साथ लगी ड्रेन का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि बारिश के बाद सड़कों और गलियों में ज्यादा देर तक पानी जमा नहीं रहना चाहिए। डीसी ने बताया कि आपात स्थिति से निपटने के लिए लघु सचिवालय में 24 घंटे कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। नागरिक किसी भी जलभराव संबंधी सूचना 01251-254270 पर दे सकते हैं।

मुनीमपुर हादसे में जान गंवाने वालों के आश्रितों को दी 20 लाख रुपये की मदद

हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

रिलायंस मॉडल इकोनॉमिक टाउनशिप ने मुनीमपुर गांव में कुएं में गिरे बछड़े को बचाने के प्रयास में जान गंवाने वाले चार युवकों के परिवारों को बीस लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की है। संस्था की ओर से प्रत्येक परिवार को पांच-पांच लाख रुपये के चेक प्रदान किए गए। रिलायंस मेट के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक एसवी गोयल ने कार्यक्रम में पीड़ित परिवारों को सहायता राशि के चेक सौंपे और दिवंगत युवाओं को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि दिवंगत युवाओं का साहस, मानवता और निस्वार्थ सेवा



झज्जर। दिवंगतों के परिजनों को चेक प्रदान करते हुए रिलायंस मेट अधिकारी।

का भाव समाज के लिए प्रेरणादायी रहेगा। कार्यक्रम में बादली के बीडीपीओ सुमित बेनीवाल, मुनीमपुर के सरपंच रोहित, पूर्व सरपंच सुभाष, चांद सिंह ठेकेदार, बिजेंद्र कुमार, केसी गुलिया, राजपाल, सतीश नंबरदार, प्रवीन नंबरदार, सुनील

गुलिया, फूल सिंह, राज सिंह, नवीन, सूरजभान, सुरेश, प्रदीप, पवन दीक्षित तथा रिलायंस मेट की ओर से कैलाश गुप्ता, कर्नल रोमेल राज्याण, सोमवीर सुखाला, प्रेम शेखावत, लोकेश कापसे, राजकुमार, संजय सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

GANGA INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT

AN AUTONOMOUS INSTITUTE

GRADED 'A' BY NAAC | NBA ACCREDITED PROGRAMS

Approved by AICTE | Affiliated to MDU, Rohtak | Recognized u/s 2(f) of UGC Act, 1956

JHAJJAR (DELHI-NCR)

NAAC A GRADE

NBA ACCREDITED BY

8. TECH ME, ECE and MBA

RANKED #16

In North India

RANKED #38

Pvt. Institutes In India

RANKED #39

Across India

RANKED #46

Placement Across India

Industry Oriented Curriculum

Degree Conferred by MDU, Rohtak

Times Engineering Institute Ranking Survey-2026

B.TECH B.TECH (LEET)

Fire Technology and Safety CSE, CSE (AI & ML), CSE (DS) ECE, Electrical Civil, Mechanical

OTHER UG & PG COURSES

M.TECH | MBA | BBA | MCA BCA | M.ARCH | B.ARCH M.PLAN | M.ED | B.ED

COURSES FOR WORKING PROFESSIONALS (In Flexible Timings)

B.TECH Fire Tech., & Safety / CSE/ Electrical/ Civil M.TECH CSE / Structural Design MBA | MCA

Ganga Centre for Skill and Entrepreneurship Development

(An Industry inside the Institute)

Technology Providers

Mastercam, DASSAULT SYSTEMES, ptc, Ansys

3D Printer

Robotic Arm

CNC Machines

AR/VR Lab

Pneumatic Trainer

IOT Lab

GANGA GROUP OF INSTITUTIONS

Approved by AICTE/UGC/NCTE/COA/MDU

GANGA INSTITUTE OF ARCHITECTURE & TOWN PLANNING (GIATP)

9654292905 / 9015115120 | www.architectureganga.com

GANGA INSTITUTE OF EDUCATION (GIE)

8684000916 | www.gangainstituteofeducation.com

For Admission Enquiry: 8684000891 / 892 / 893 / 9654292946 | www.gangainstitute.com

Head Office: 4/12, East Punjabi Bagh, New Delhi | +91-9654292902, 03, 04

बाजार डगमगाए तो निवेश नहीं, रणनीति को बदलें

- 10 हजार की मासिक एसआईपी से बनाएं संतुलित पोर्टफोलियो
- गिरावट में घबराकर बेचने के बजाय किस्तों में बढ़ाएं निवेश
- इक्विटी के साथ डेट और गोल्ड का संतुलन रखना भी जरूरी

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में जब तेजी होती है तो निवेशक ज्यादा कमाने की उम्मीद में पैसा बढ़ा देते हैं और गिरावट आते ही नुकसान के डर से निवेश रोकने या शेयर बेचने लगते हैं। यही गलती लंबे समय में रिटर्न पर सबसे ज्यादा असर डालती है। बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन निवेशक की रणनीति उसके वित्तीय लक्ष्य, समय अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के हिसाब से तय होनी चाहिए। ऐसे दौर में सबसे जरूरी है कि बाजार की हर हलचल पर फैसला लेने के बजाय एक संतुलित पोर्टफोलियो बनाया जाए और निवेश को अनुशासन के साथ जारी रखा जाए। विशेषज्ञों के मुताबिक लंबी अवधि के निवेशक के लिए बाजार की हर गिरावट खतरा नहीं होती। कई बार यही गिरावट अच्छी कंपनियों और इक्विटी फंड में अपेक्षाकृत बेहतर कीमत पर निवेश का मौका भी देती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि गिरते बाजार में बिना सोचे-समझे पूरी रकम लगा दी जाए। चरणबद्ध निवेश, एसआईपी और सही एसेट एलोकेशन इस समय ज्यादा उपयोगी रणनीति हो सकती है।



ऐसे बनाएं पोर्टफोलियो

मान लीजिए किसी निवेशक के पास हर महीने 10,000 रुपये निवेश करने की क्षमता है और उसका लक्ष्य कम से कम 7-10 साल का है। वह अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार राशि को अलग-अलग हिस्सों में बांट सकता है।

मध्यम जोखिम वालों के लिए उदाहरण

- 15,000 इक्विटी/फ्लेक्सी-कैप फंड में
- 2,000 लार्ज एंड मिडकैप या डेडवुड फंड में
- 2,000 डेट/हाइब्रिड फंड में
- 1,000 गोल्ड आधारित निवेश में
- यह केवल उदाहरण है। वास्तविक आवंटन निवेशक की उम्र, आय, मौजूदा निवेश, लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर अलग हो सकता है।

गिरावट आए तो एसआईपी बंद न करें

बाजार में गिरावट आते ही एसआईपी बंद करना आम निवेशक की बड़ी गलती हो सकती है। एसआईपी का फायदा ही यह है कि बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश होता रहता है। बाजार

बाजार गिरने पर ये 5 काम न करें

►1. घबराकर सारे शेयर न बेचें : लंबी अवधि के निवेश को छोटी अवधि की गिरावट के आधार पर खत्म न करें।

►2. एसआईपी बंद न करें : सिर्फ बाजार गिरने के कारण नियमित निवेश रोकना जरूरी नहीं।

►3. कर्ज लेकर निवेश न करें : शेयर बाजार में रिटर्न निश्चित नहीं है, लेकिन कर्ज की लागत निश्चित होती है।

►4. सोशल मीडिया की टिप पर पैसा न लगाएं : किसी शेयर या फंड में निवेश से पहले उसकी पूरी जानकारी लें।

►5. एक ही फंड पर निर्भर न रहें : जरूरत और जोखिम क्षमता के अनुसार पोर्टफोलियो में विविधता रखें।

नौचे आने पर उसी राशि में ज्यादा यूनिट मिल सकती है और बाजार ऊपर जाने पर उनका मूल्य बढ़ सकता है। हालांकि, जिस पैसे की जरूरत अगले एक-दो साल में पड़नी है, उसे केवल इक्विटी में लगाना उचित नहीं माना जाता। बच्चों की फीस, घर खरीदने की डाउन पेमेंट या किसी अन्य नजदीकी लक्ष्य के लिए अलग सुरक्षित फंड रखना चाहिए।

पूरा पोर्टफोलियो एक ही एसेट में न लगाएं

सिर्फ शेयर बाजार में निवेश करने से तेजी के दौर में रिटर्न आकर्षक दिखाई दे सकता है, लेकिन बड़ी गिरावट में पूरा पोर्टफोलियो प्रभावित हो सकता है। दूसरी तरफ, सिर्फ सुरक्षित साधनों में पैसा रखने से लंबी अवधि में महंगाई को मात देना मुश्किल हो सकता है। इसलिए इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे अलग-अलग एसेट में संतुलन बनाना जरूरी है। यही कारण है कि मध्यम जोखिम वाले निवेशक हाइब्रिड फंड और मल्टी-एसेट फंड पर भी विचार कर सकते हैं। इसमें अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करके पोर्टफोलियो में विविधता लाने की कोशिश की जाती है।

बाजार महंगा लगे तो क्या करें

जब बाजार लगातार ऊपर जा रहा हो तो एकमुश्त बड़ी रकम

टेलीग्राम और इंस्टाग्राम चैनल्स पर बताए गए टिप्स से बचके रहें

ये करवा सकते हैं बड़े नुकसान, अपनी समझ से करें निवेश

ऐसे समझें गणित

►अगर कोई निवेशक 10,000 हर महीने 10 साल तक निवेश करता है तो उसकी कुल जमा राशि 12 लाख होगी।

मान लें औसत वार्षिक रिटर्न

- 8% रहा तो करीब 18.3 लाख
- 10% रहा तो करीब 20.7 लाख
- 12% रहा तो करीब 23.2 लाख
- 15% रहा तो करीब 27.9 लाख
- यह केवल अनुमानित उदाहरण है। म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में रिटर्न निश्चित नहीं होता और वास्तविक परिणाम बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करेंगे।

लगाने से बचना समझदारी हो सकती है। नियमित एसआईपी जारी रखना और अतिरिक्त रकम को चरणबद्ध तरीके से लगाना जोखिम को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। वहीं, बाजार में अचढ़ी-खासी गिरावट आने पर मजबूत कंपनियों या उपयुक्त इक्विटी फंड में अतिरिक्त निवेश का अवसर मिल सकता है, लेकिन गिरावट कितनी होगी और बाजार कब नीचे आएगा, इसका सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है। इसलिए 'सही समय का इंतजार करने के बजाय चरणबद्ध निवेश ज्यादा व्यावहारिक रणनीति हो सकती है।

कमाई का इंजन बन सकती है इक्विटी

इक्विटी में उतार-चढ़ाव सबसे ज्यादा होता है, लेकिन लंबी अवधि में पुंजी बढ़ाने की क्षमता भी अधिक हो सकती है। इसलिए 7-10 साल या उससे अधिक का लक्ष्य रखने वाले निवेशक अपने पोर्टफोलियो में इक्विटी को जगह दे सकते हैं। हालांकि, फंड चुनते समय केवल पिछले एक साल का रिटर्न देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। फंड का लंबा ट्रैक रिकॉर्ड, खर्च, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर की रणनीति और निवेशक की जोखिम क्षमता जैसे पहलुओं को देखना जरूरी है।

किस लक्ष्य के लिए कितना जोखिम

- 1-3 साल : इक्विटी में सीमित निवेश, सुरक्षित और कम उतार-चढ़ाव वाले विकल्पों को प्राथमिकता।
- 3-5 साल : हाइब्रिड और डेट के साथ सीमित इक्विटी पर विचार।
- 7-10 साल: जोखिम क्षमता के अनुसार इक्विटी का हिस्सा बढ़ाया जा सकता है।
- 10 साल से ज्यादा : लंबी अवधि के लक्ष्य में इक्विटी आधारित निवेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखना जरूरी है।

समय दें, समय न साधें

शेयर बाजार में कब तेजी आएगी और कब गिरावट, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। लेकिन निवेशक यह जरूर तय कर सकता है कि वह कितना जोखिम ले सकता है, कितने समय के लिए निवेश करेगा और गिरावट आने पर क्या रणनीति अपनाएगा। इसलिए बाजार की चाल पकड़ने के बजाय समय की निवेश में देना ज्यादा महत्वपूर्ण है। नियमित एसआईपी, विविध पोर्टफोलियो और समय-समय पर समीक्षा लंबे समय में निवेश को मजबूत आधार दे सकती है।



पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने से घट सकता है सिबिल

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

कई लोगों के पास समय के साथ एक से ज्यादा बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड हो जाते हैं। इनमें से कुछ का इस्तेमाल लंबे समय से नहीं किया जा रहा होता है। ऐसे में अतिरिक्त खाते या कार्ड बंद करना स्वाभाविक फैसला लगता है। लेकिन अगर आप पुराना क्रेडिट कार्ड बंद करने जा रहे हैं तो पहले यह समझना जरूरी है कि इसका आपके सिबिल स्कोर और भविष्य में लोन लेने की क्षमता पर क्या असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक बैंक का सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने से सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। विशेषज्ञों के मुताबिक बैंक का सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने से सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। लेकिन यहां एक सावधानी जरूरी है। अगर इसी खाते से किसी लोन की ईएमआई, क्रेडिट कार्ड बिल या दूसरी नियमित भुगतान व्यवस्था जुड़ी है और खाता बंद कर दिया गया तो भुगतान छूट सकता है। एक ईएमआई या क्रेडिट कार्ड भुगतान में देरी आपके क्रेडिट प्रोफाइल को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए बैंक खाता बंद करने से पहले सभी ऑटो-डेबिट, ईएमआई और स्टैटिंग इक्टिवेशन को नए सक्रिय खाते में ट्रांसफर करना जरूरी है।

से आमतौर पर सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। लेकिन यहां एक सावधानी जरूरी है। अगर इसी खाते से किसी लोन की ईएमआई, क्रेडिट कार्ड बिल या दूसरी नियमित भुगतान व्यवस्था जुड़ी है और खाता बंद कर दिया गया तो भुगतान छूट सकता है। एक ईएमआई या क्रेडिट कार्ड भुगतान में देरी आपके क्रेडिट प्रोफाइल को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए बैंक खाता बंद करने से पहले सभी ऑटो-डेबिट, ईएमआई और स्टैटिंग इक्टिवेशन को नए सक्रिय खाते में ट्रांसफर करना जरूरी है।

कितने क्रेडिट कार्ड रखना सही?

क्रेडिट कार्ड की कोई निश्चित संख्या ऐसी नहीं है, जिसे हर व्यक्ति के लिए आदर्श माना जाए। असली बात यह है कि व्यक्ति अपने कार्डों को कितनी जिम्मेदारी से संभालता है। चार-पांच कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी अच्छे क्रेडिट प्रोफाइल बनाए रख सकता है, अगर वह समय पर पूरा भुगतान करता है और अपनी क्रेडिट लिमिट का नियंत्रित इस्तेमाल करता है। वहीं कम कार्ड रखने वाला व्यक्ति भी खराब स्कोर बना सकता है, अगर भुगतान में लगातार देरी होती है। इसलिए कार्डों की संख्या से ज्यादा महत्वपूर्ण है समय पर भुगतान, कम क्रेडिट उपयोग और लंबे समय तक जिम्मेदार क्रेडिट व्यवहार।

काई बंद करने से पहले करें ये काम

- 1. **सभी बकाया चुकाएं** : कार्ड बंद करने से पहले कोई बकाया राशि या शुल्क लंबित न रहने दें।
- 2. **सबसे पुराने कार्ड को चुनते बंद न करें** : पहले देखें कि वह आपकी क्रेडिट हिस्ट्री में कितना योगदान दे रहा है।
- 3. **क्रेडिट लिमिट का हिसाब लगाएं** : कार्ड बंद करने के बाद आपकी कुल उपलब्ध लिमिट कितनी बचेगी, यह जरूर देखें।
- 4. **ऑटो पेमेंट बदलें** : बैंक खाता बंद करने से पहले ईएमआई और क्रेडिट कार्ड के ऑटो-डेबिट को दूसरे खाते से जोड़ें।
- 5. **क्लोजर की पुष्टि लें** : कार्ड बंद होने के बाद बैंक से क्लोजर की पुष्टि और जरूरी दस्तावेज सुरक्षित रखें।

यह भी रखें ध्यान

पुराना कार्ड बंद करना सिबिल स्कोर निश्चित रूप से कम होना नहीं है। अगर आपके पूरे क्रेडिट प्रोफाइल पर निर्भर करता है। वहीं सामान्य सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने का सिबिल स्कोर पर सीधा असर नहीं पड़ता। सबसे महत्वपूर्ण है कि आपके लोन और क्रेडिट कार्ड की ईएमआई/बिल समय पर चुकते रहें।

सेविंग या करंट अकाउंट बंद करने

होम लोन की प्रीपेमेंट करें या निवेश? जानिये क्या है आपके लिए बेहतर

बिजनेस डेस्क जानकारी

अपना घर खरीदने के लिए लिया गया होम लोन ज्यादातर लोगों की जिंदगी का सबसे बड़ा और लंबी अवधि वाला कर्ज होता है। 15, 20 या 25 साल की अवधि में चुकाए जाने वाले इस लोन में ब्याज की रकम भी काफी बड़ी हो सकती है। ऐसे में जब बोनस, प्रियर, निवेश से पैसा या कोई अन्य अतिरिक्त रकम हाथ में आती है तो लोगों के सामने बड़ा सवाल होता है कि इस पैसे का इस्तेमाल होम लोन की प्रीपेमेंट में किया जाए या उसे निवेश कर भविष्य के लिए संपत्ति बनाई जाए। लोन की प्रीपेमेंट करने से ब्याज का बोझ कम होता है और कर्ज जल्दी खत्म हो सकता है। दूसरी ओर, सही निवेश लंबे समय में रकम को बढ़ाने में मदद कर सकता है। इसलिए, हर व्यक्ति के लिए एक ही विकल्प सही नहीं हो सकता। फैसला लेते समय तीन महत्वपूर्ण बातों को समझना जरूरी है।

होम लोन के शुरुआती सालों में प्रीपेमेंट का फायदा ज्यादा

होम लोन की ईएमआई दो हिस्सों में बंटी होती है मूलधन और ब्याज। लोन की शुरुआत में ईएमआई का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में चला जाता है, जबकि मूलधन अपेक्षाकृत कम घटता है। जैसे-जैसे लोन की अवधि आगे बढ़ती है, ब्याज का हिस्सा कम और मूलधन का हिस्सा बढ़ता जाता है। यही वजह है कि अगर आपके पास लोन लेने के शुरुआती वर्षों में अतिरिक्त पैसा आता है तो प्रीपेमेंट करना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। मान लीजिए आपने 20 साल के लिए होम लोन लिया है और पांचवें साल में आपके पास एकमुश्त रकम आती है। अगर आप उसका कुछ हिस्सा मूलधन में जमा कर देते हैं तो बकाया लोन घट जाएगा। इसके बाद लगने वाला ब्याज भी कम हो जाएगा। प्रीपेमेंट का एक बड़ा फायदा यह है कि आपको भविष्य में बचने वाले ब्याज का फायदा लगभग निश्चित रूप से मिलता है। यानी अगर आपके होम लोन की ब्याज दर 8 फीसदी है तो मूलधन कम करने पर भविष्य के 8 फीसदी के आसपास के ब्याज खर्च से बचने का प्रभाव मिलता है, हालांकि वास्तविक बचत लोन की संरचना और समय पर निर्भर करेगी।

निवेश के संभावित रिटर्न की तुलना लोन की ब्याज दर से करें

कई लोग मानते हैं कि अगर निवेश से होम लोन की ब्याज दर से ज्यादा रिटर्न मिल सकता है तो प्रीपेमेंट करने के बजाय निवेश करना बेहतर है। यह सोच कुछ परिस्थितियों में सही हो सकती है, लेकिन इसे सीधे-सीधे लागू नहीं किया जा



सकता। होम लोन की ब्याज दर आपको निश्चित लागत है, जबकि निवेश का रिटर्न निश्चित नहीं होता। उदाहरण के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड और शेयर बाजार में लंबी अवधि में अच्छे रिटर्न की संभावना रहती है, लेकिन बाजार में उतार-चढ़ाव भी होता है। किसी एक साल या छोटी अवधि में रिटर्न कम भी हो सकता है। इसलिए निवेश और प्रीपेमेंट के बीच फैसला करते समय सिर्फ अनुमानित रिटर्न नहीं देखें। निवेश पर लगने वाले टैक्स, जोखिम, निवेश की अवधि और आपके लक्ष्य को भी ध्यान में रखें। अगर आप बाजार के जोखिम को सहन कर सकते हैं, निवेश की अवधि 7-10 साल या उससे अधिक है और आपके पास नियमित आय है तो निवेश को प्राथमिकता देने का विकल्प हो सकता है।

इमरजेंसी फंड के बिना प्रीपेमेंट न करें

अतिरिक्त पैसा आते ही होम लोन में जमा कर

देना हमेशा समझदारी नहीं है। सबसे पहले यह देखना चाहिए कि आपके पास पर्याप्त इमरजेंसी फंड है या नहीं। अचानक नौकरी जाने, स्वास्थ्य संबंधी खर्च, परिवार की जरूरत या किसी अन्य आपात स्थिति में नकदी की जरूरत पड़ सकती है। अगर आपने अपनी पूरी अतिरिक्त बचत होम लोन में डाल दी और बाद में अचानक पैसे की जरूरत पड़ गई तो आपको महंगे पर्याप्त लोन या क्रेडिट कार्ड का सहारा लेना पड़ सकता है। इसलिए पहले कम से कम 6 से 12 महीने के जरूरी घरेलू खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड तैयार रखना बेहतर है। इसके बाद बची रकम को प्रीपेमेंट और निवेश के बीच बांटने पर विचार किया जा सकता है।

कितना पैसा प्रीपेमेंट में लगाएं?

मान लीजिए किसी व्यक्ति के पास 5 लाख रुपये की अतिरिक्त रकम है। अगर उसका होम लोन

शुरुआती दौर में है और ब्याज दर ज्यादा है, तो वह रकम का बड़ा हिस्सा प्रीपेमेंट में लगाने पर विचार कर सकता है। लेकिन अगर लोन काफी पुराना है, इमरजेंसी फंड तैयार है और निवेश की अवधि लंबी है तो कुछ रकम म्यूचुअल फंड जैसे दीर्घकालिक निवेश विकल्पों में लगाई जा सकती है। एक तीसरा रास्ता भी है पैसे को पूरी तरह एक ही जगह लगाने के बजाय बांट देना। उदाहरण के लिए 5 लाख रुपये में से कुछ रकम होम लोन की प्रीपेमेंट में और बाकी रकम लंबी अवधि के निवेश में लगाई जा सकती है। इससे कर्ज का बोझ भी घटेगा और भविष्य के लिए निवेश भी बना रहेगा।

फैसला आपकी वित्तीय स्थिति पर निर्भर

होम लोन की प्रीपेमेंट और निवेश में से कौन सा विकल्प बेहतर है, इसका कोई सार्वभौमिक जवाब नहीं है। अगर लोन नया है, ब्याज का बोझ ज्यादा है और आप कर्ज जल्दी खत्म करना चाहते हैं तो प्रीपेमेंट को प्राथमिकता दी जा सकती है। अगर लोन के अंतिम वर्षों में है, पर्याप्त इमरजेंसी फंड मौजूद है और आपकी निवेश अवधि लंबी है तो निवेश पर विचार किया जा सकता है। सबसे जरूरी बात यह है कि फैसला लेने से पहले लोन की ब्याज दर, बची हुई अवधि, प्रीपेमेंट के बाद ब्याज बचत, निवेश का जोखिम, संभावित रिटर्न और अपनी नकदी जरूरत का आकलन करें। मायकाओं के बजाय आंकड़ों के आधार पर लिया गया फैसला आपकी कुल वित्तीय स्थिति के लिए ज्यादा बेहतर साबित हो सकता है।

एक ही कैटेगरी की स्कीमों के रिटर्न में बड़ा अंतर स्मॉल-कैप में करीब 32 प्रतिशत अंक का फासला विशेषज्ञ बोले-एक-दो साल के प्रदर्शन पर न जाए 3 से 5 साल का नजरिया रखें, तभी बेहतर रिटर्न

सुझाव

बिजनेस डेस्क

एक ही कैटेगरी की स्कीमों के रिटर्न में बड़ा अंतर स्मॉल-कैप में करीब 32 प्रतिशत अंक का फासला विशेषज्ञ बोले-एक-दो साल के प्रदर्शन पर न जाए 3 से 5 साल का नजरिया रखें, तभी बेहतर रिटर्न

मुझ्बाब बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय केवल सही कैटेगरी चुन लेना ही पर्याप्त नहीं है। एक ही कैटेगरी में शामिल अलग-अलग स्कीमों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिल सकता है। पिछले एक साल के प्रदर्शन से यह अंतर और स्पष्ट हुआ है। फ्लेक्सी-कैप और स्मॉल-कैप जैसी कैटेगरी में कुछ फंडों ने जहां निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया, वहीं कुछ स्कीमों का प्रदर्शन कमजोर रहा। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशक को केवल कैटेगरी या पिछले एक साल के रिटर्न के आधार पर फंड का चुनाव नहीं करना चाहिए। फंड मैनेजर की निवेश रणनीति, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, रिसर्च टीम और अलग-

अलग बाजार परिस्थितियों में प्रदर्शन को भी देखना जरूरी है। पलेक्सी-कैप में भी दिखा बड़ा अंतर

फ्लेक्सी-कैप फंडों के प्रदर्शन में पिछले एक साल में उल्लेखनीय अंतर रहा। इस कैटेगरी में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली स्कीम ने करीब 12.29 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम का रिटर्न करीब 5.75 प्रतिशत निगेटिव रहा। यानी एक ही कैटेगरी के दो फंडों के बीच प्रदर्शन का अंतर काफी बड़ा रहा। इससे साफ है कि केवल यह तय कर लेना कि निवेशक को फ्लेक्सी-कैप फंड में पैसा लगाना है, पर्याप्त नहीं है। उसी कैटेगरी में कौन-सी स्कीम निवेश के लिए बेहतर है, इसका मूल्यांकन भी उतना ही महत्वपूर्ण है।



स्मॉल-कैप में और ज्यादा अंतर

स्मॉल-कैप कैटेगरी में यह अंतर और अधिक देखने को मिला। ट्रस्ट स्मॉल कैप फंड ने पिछले एक साल में करीब 27.39 प्रतिशत रिटर्न दिया, जबकि टाटा स्मॉल कैप फंड का रिटर्न करीब 5.08 प्रतिशत निगेटिव रहा। दोनों एक ही कैटेगरी के फंड हैं, लेकिन प्रदर्शन में करीब 32 प्रतिशत अंक का अंतर दिखाई दिया। विशेषज्ञों के मुताबिक इस तरह का अंतर बताता है कि फंड की कैटेगरी के साथ-साथ उसके पोर्टफोलियो में शामिल कंपनियों,

सेक्टर आवंटन और फंड मैनेजर की रणनीति का प्रदर्शन पर बड़ा असर पड़ता है।

सही शेयर और सेक्टर चुनने वाले फंडों को फायदा

वेलथ मैनेजर्स के मुताबिक पिछले एक साल में शेयर बाजार के सभी सेक्टरों ने एक जैसा प्रदर्शन नहीं किया। निज फंड मैनेजर्स ने बेहतर प्रदर्शन करने वाली कंपनियों और सेक्टरों की पहचान कर अपने पोर्टफोलियो में उनका उचित वजन रखा, उन्हें फायदा मिला। ट्रस्ट म्यूचुअल फंड के सीईओ संदीप बागला के मुताबिक पिछले एक

साल में बाजार ने ऐसे फंड मैनेजर्स को पुरस्कृत किया, जिन्होंने सही शेयरों का चुनाव किया। उनके अनुसार डिफेंस, डेटा सेंटर, प्रीमियम कंजमपशन और सेविंग्स के फाइनैशियलाइजेशन से जुड़ी कंपनियों में निवेश करने वाले पोर्टफोलियो को अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला। इसके विपरीत प्रॉपर्टी बैंक और पारंपरिक आईटी कंपनियों में अधिक निवेश रखने वाले कुछ पोर्टफोलियो अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन रहे। इसका कारण इन सेक्टरों का बाजार में अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन रहा।

केवल पिछले रिटर्न के आधार पर न करें निवेश

विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को किसी फंड का चुनाव करते समय केवल पिछले एक या दो साल के रिटर्न की आधार नहीं बनाना चाहिए। किसी एक अवधि में बेहतर प्रदर्शन करने वाला फंड जरूरी नहीं कि आने वाले वर्षों में भी सबसे बेहतर प्रदर्शन करे। निवेशक को यह समझना चाहिए कि फंड मैनेजर किस तरह की निवेश

रणनीति अपनाता है। इसके साथ ही अलग-अलग मार्केट साइकिल में फंड का प्रदर्शन कैसा रहा है, पोर्टफोलियो किस तरह तैयार किया गया है और उसमें जोखिम का स्तर कितना है, इसकी भी समीक्षा करनी चाहिए।

रिसर्च टीम और पोर्टफोलियो पर दें ध्यान

फंड चुनते समय निवेशकों को फंड हाउस की रिसर्च क्षमता और टीम की मजबूती पर भी ध्यान देना चाहिए। फंड की निवेश प्रक्रिया कितनी व्यवस्थित है और रिसर्च टीम कंपनियों का किस स्तर पर विश्लेषण करती है, यह लंबे समय में फंड के प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा निवेशक को यह भी देखना चाहिए कि फंड का पोर्टफोलियो उसके अपने वित्तीय लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुरूप है या नहीं। ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ ज्यादा जोखिम भी हो सकता है। इसलिए केवल रिटर्न के आंकड़े देखकर निवेश करना उचित नहीं माना जाता।

प्रदर्शन का अंतर

कुछ म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर्स का मानना है कि एक साल में अलग-अलग नकीमों के प्रदर्शन में दिखाई देने वाला बड़ा अंतर लंबी अवधि में धीरे-धीरे कम हो सकता है। बाजार में अलग-अलग समय पर अलग-अलग सेक्टर और कंपनियां अव्वल प्रदर्शन करती हैं। ऐसे में किसी एक अवधि का प्रदर्शन किसी की पूरी तस्वीर नहीं बताता। केडी कैपिटल के सर्टिफाइड फाइनैशियल प्लानर के अनुसार फंड मैनेजर की निवेश रणनीति का पूरा और सत्य के साथ दिखाई देता है। निवेशकों को बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान जल्दबाजी में फैसला लेने के बजाय लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए।

3 से 5 साल का नजरिया जरूरी

म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय कम से कम 3 से 5 साल का नजरिया रखना बेहतर होता है। खासकर इक्विटी आधारित फंडों में बाजार की अलग-अलग परिस्थितियों का असर पड़ता है। किसी एक साल में कमजोर प्रदर्शन करने वाली स्कीम जरूरी नहीं कि लंबी अवधि में भी खराब प्रदर्शन करे। इसलिए निवेशक को बार-बार फंड बदलने के बजाय उसके प्रदर्शन की निरंतरता, जोखिम, पोर्टफोलियो में बदलाव और फंड मैनेजर की रणनीति की समय-समय पर समीक्षा करनी चाहिए।

खबर संक्षेप

गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार घायल

बहादुरगढ़। गांव मुंडाखेड़ा के निकट गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया। बाइक सवार को काफी चोट आई। उसकी शिकायत पर बादली थाना पुलिस ने पिकअप गाड़ी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घायल की पहचान आशीष के रूप में हुई है। दिल्ली का रहने वाला है। आशीष का कहना है कि वह बाइक पर सवर होकर कंपनी में ड्यूटी पर जा रहा था।

पीओ सुनील को किया गिरफ्तार

बहादुरगढ़। ऑपरेशन ट्रैक डाउन के तहत पुलिस ने एचपीसीएल पाइपलाइन से छेड़छाड़ कर तेल चोरी का प्रयास करने के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे दूधपोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुनील के रूप में हुई है। सोनीपत जिले के नाहरा गांव का रहने वाला है। आरोपी पर 7 अपराधिक केस दर्ज हैं। उसे स्पेशल स्टफ झज्जर ने गिरफ्तार किया है।

दो मासूमों सहित महिला लापता

बहादुरगढ़। लाइनपार क्षेत्र से प्रवासी महिला अपने दो मासूम बच्चों सहित संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है। काफी तलाश के बाद भी नहीं मिली तो परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर तलाश की गुहार लगाई है। गोरखपुर यूपी मूल के सतेंद्र का कहना है कि वह यहां लाइनपार की वत्स कॉलोनी में परिवार सहित रहता है। गत 4 अगस्त को ड्यूटी पर गया था। वापस आया तो पत्नी शीतल व दोनों बच्चे 12 वर्षीय बेटा हर्षित और 9 वर्षीय बेटी अक्षिता घर पर नहीं थे। अपने स्तर पर तलाश शुरू की। तमाम रश्तेदारियों और संपावित ठिकानों पर संपर्क किया लेकिन कुछ पता नहीं चला। पत्नी का मोबाइल नंबर भी बंद आ रहा है। वहीं, लाइनपार थाने से जांच अधिकारी सचिन ने कहा कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर महिला व बच्चों की तलाश शुरू कर दी गई है।



बहादुरगढ़। बिजली निगम कार्यालय के गेट पर प्रदर्शन करते कर्मचारी।

सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर जताया विरोध

बहादुरगढ़। निजीकरण के विरोध और लंबित मांगों को लेकर बिजली कर्मचारियों व इंजीनियरों का आंदोलन शनिवार को उठे दिन भी जारी रहा। संकुल संघ समिति के आह्वान पर सब यूनिट कमेटी ने बिजली निगम के गेट पर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने सरकार और निगम प्रबंधन के खिलाफ रोष जताते हुए मांगों को पूरा करने की आवाज उठाई। प्रदर्शन की अध्यक्षता सब यूनिट प्रभार राजेश व कृष्ण ने की, जबकि संचालन सचिव ललित और नवीन ने किया। सर्कल सचिव बिजेन्द्र फोगाट और राज्य कमेटी सदस्य रविंद्र दलाल ने कहा कि बिजली क्षेत्र में निजीकरण को बढ़ावा देने से कर्मचारियों के साथ आम उपभोक्ताओं के हित भी प्रभावित होंगे। वक्ताओं ने कहा कि 11 से 13 अगस्त को बिजली कर्मचारी राज्यव्यापी हड़ताल पर रहेंगे। इसमें जनसंगठनों, किसान संगठनों, कर्मचारी संगठनों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों, सरपंचों और जनप्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाएगा। इस मौके पर बिजली निगम के कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।



झज्जर। क्षमता संवर्धन कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं प्रशिक्षक। फोटो: हरिभूमि

कक्षा कक्ष की चुनौतियों व समाधान की दी जानकारी

झज्जर। एमआर सीनियर सेकेंडरी स्कूल हसनपुर में शिक्षण-पद्धति के रूप में कहानी सुनाना विषय पर क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य संगीता कोडान की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षकों के रूप में एसआर सेंचुरी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य भूपेन्द्र तथा स्कॉलर्स वलीबल स्कूल से तान्ना ने शिक्षकों को कहानी सुनाने को प्रभावी शिक्षण-पद्धति के रूप में अपनाने की अवधारणा, कक्षा-कक्ष में आने वाली विभिन्न चुनौतियों तथा उनके प्रभावी समाधान बारे विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्राचार्य संगीता कोडान ने कार्यक्रम की शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताते हुए प्रशिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को नवीन शिक्षण तकनीकों से परिचित कराने के साथ-साथ कक्षा-कक्ष में विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होते हैं।



झज्जर। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को संबोधित करते हुए रिसोर्स पर्सन सीमा हुड्डा।

विद्यार्थियों को सुरक्षित व भेदभाव मुक्त वातावरण प्रदान करना प्रत्येक शिक्षक की जिम्मेदारी

झज्जर। एलए सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सीबीएसई की तरफ से कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के अंतर्गत एजुकेटिंग पेरेंट्स अबाउट एजुकेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। शिक्षकों को शिक्षा क्षेत्र में नई संभावना को समझकर बच्चों को शिक्षित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला में करीब 60 शिक्षकों ने भाग लिया। रिसोर्स पर्सन एस केजिया कल्पलथा व सीमा हुड्डा ने कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, सम्मानपूर्ण और भेदभाव-मुक्त वातावरण प्रदान करना प्रत्येक शिक्षक की जिम्मेदारी है। प्रबंधक केएम डांगर ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिक्षकों को समग्रानुकूल शिक्षण पद्धतियों को अपनाने तथा विद्यार्थियों में सम्मानता एवं संवेदनशीलता के मूल्यों का विकास करने के लिए प्रेरित करते हैं। इस मौके पर विद्यालय संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनीता गुलिया व नीलम दहिया ने सीबीएसई के प्रशिक्षकों तथा शिक्षकों का आभार जताया।

रहणिया कॉलोनी समेत विभिन्न रिहायशी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या

घरों की दहलीज तक पहुंच रहा बरसाती पानी, जलनिकासी के दावे पानी में बहे

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

पिछले कई दिनों से लगातार रही हरी बरसात के कारण शहर के विभिन्न रिहायशी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या गंभीर होती जा रही है। हालात ये है कि बरसाती पानी अब लोगों के घरों की दहलीज तक पहुंच गया है और कई मकानों में पानी घुसने से परिवारों को दिनभर पानी बाहर निकालने में मशक्कत करनी पड़ रही है। बेरी गेट स्थित शिव कॉलोनी, गाजीकमाल मंदिर से डायवर्सन रोड को निकलने वाले मार्ग का रिहायशी क्षेत्र, नीमवाली कॉलोनी, देव नगर, कच्चा बाबरा और रहणिया कॉलोनी में जलभराव से लोग परेशान हैं। ऐसे में जिला प्रशासन के पानी निकासी के दावे भी इन क्षेत्रों में दम तोड़ते नजर आ रहे हैं।

डायवर्सन रोड स्थित रहणिया कॉलोनी की एक गली का लेवल आसपास की जगहों से नीचा होने के कारण यहां बरसाती पानी जमा है। गलीवासियों ने सीवरों का ढक्कन खोलकर पानी निकालने का प्रयास किया, लेकिन कच्चा बाबरा रोड के खाली प्लाटों में जमा पानी बहकर दोबारा गली में पहुंच जाता



झज्जर। बरसाती पानी के बीच चारपाई पर बैठी दिव्यांग बीना। फोटो: हरिभूमि

है। इससे लोगों की समस्या जस की तस बनी हुई है। उनकी गली के एक प्लाट की दीवार का कुछ हिस्सा भी ढह गया है। लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में हर वर्ष इन क्षेत्रों में यही स्थिति बनती है। थोड़ी सी बारिश के बाद घरों में पानी घुस जाता है और परिवारों को घंटों पानी निकालने में जुटना पड़ता है। लोगों ने प्रशासन से स्थायी जलनिकासी व्यवस्था किए जाने की मांग की है।

घर में घुसा पानी, दिव्यांग पत्नी के साथ बड़ी परेशानी

रहणिया कॉलोनी निवासी नरेश कुमार ने बताया कि तेज बारिश के बाद बरसाती पानी उनके घर में घुस गया है। उनकी पत्नी बीना दिव्यांग हैं, ऐसे में घर से पानी निकालना उनके परिवार के लिए बेहद मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि जलभराव के कारण घर में रहना भी मुश्किल हो गया है।



पंप सेट नहीं लगाया, खाली प्लाटों का पानी भी घरों में

गलीवासी दीपक ने बताया कि गली का लेवल नीचा होने के कारण आसपास के खाली प्लाटों का पानी भी उनकी गली और मकानों की ओर आ जाता है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से भी जलनिकासी के लिए कोई पंप सेट नहीं लगाया गया, जिससे लोगों की परेशानी लगातार बनी हुई है।



बाइपास की सर्विस लेन पर बारिश में गड्ढे भरकर खानापूर्ति

■ फ्लाईओवर के साथ सर्विस लेन में जगह-जगह गहरे गड्ढे वाहन चालकों के लिए बने मुसीबत

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

शहर के बाइपास पर फ्लाईओवर के साथ बनी सर्विस लेन इन दिनों बदहाल हालत में है। सर्विस लेन में जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जिनमें बारिश का पानी भर जाने के कारण वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति का अंदाजा तक नहीं लग पाता। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों के साथ-साथ कार चालकों को भी दुर्घटना का खतरा बना हुआ है।

हालात को देखते हुए संबंधित विभाग की ओर से अब बरसात के बीच इन गड्ढों को रोड की सामग्री से भरकर सड़क को चलने लायक



बहादुरगढ़। सर्विस लेन पर गहरे गड्ढों में बजरी-रोड़ी भरते कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

बनाने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, बारिश के मौसम में गड्ढों में डाली जा रही सामग्री कितने समय तक टिक पाएगी, इस पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थायी समाधान के बजाय फिलहाल काम चलाऊ व्यवस्था नजर आ रही है।

फोटो: हरिभूमि

कांग्रेस व भाजपा ने की एससी की अनदेखी : पहलवान



बहादुरगढ़। रामेश्वर पहलवान व शीला राठी का स्वागत करते कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

शनिवार को इनेलो कार्यालय में अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ की बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में इनेलो एससी सेल के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर पहलवान, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शीला राठी व भूपेंद्र राठी ने शिरकत की। बैठक में 27 सितंबर को नूंह में इनेलो द्वारा ताऊ देवीलाल की जयंती पर होने वाली सम्मान दिवस रैली को लेकर जिम्मेदारियां सौंपी गईं। एससी सेल जिलाध्यक्ष मास्टर सुखबीर सोरोहा ने अतिथि नेताओं का स्वागत किया। बैठक का संचालन शहरी जिलाध्यक्ष रामनिवास सैनी ने किया। रामेश्वर पहलवान ने बताया कि न केवल भाजपा व कांग्रेस ने हमेशा अनुसूचित समाज के हितों की अनदेखी की है। इसीलिए 27 सितंबर को नूंह में होने वाली सम्मान दिवस रैली में एससी

सेल की अधिक से अधिक भागीदारी रहेगी। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला भी 24 अगस्त को बहादुरगढ़ में रैली का निमंत्रण देने पहुंचेंगे। शीला नफे सिंह राठी ने कहा कि सम्मान दिवस रैली की तैयारियों में सभी कार्यकर्ता पूरी मेहनत के साथ जुट जाएं। भूपेंद्र राठी ने कहा कि हरियाणा विकास नहीं, बल्कि अपराध व क्राइम के मामले में नंबर वन बन चुका है। सुखबीर सोरोहा ने भरोसा दिलाया कि सम्मान दिवस रैली में जिले से हजारों कार्यकर्ता पहुंचेंगे। बैठक में एससी सेल के हलकाध्यक्ष रण सिंह तूर, मास्टर दिलीप, सूबेदार दयानंद, उमेद, सज्जन, शमशेर नरवाल, मनोज वाडिया, रॉकी तंवर, कपिल काबड़ी, पूर्व पार्षद शशि कुमार, रवींद्र डाबला, महा सिंह मुकुंदपुर, फूल सिंह, मेद सिंह मेहरा, रूचे, हंस ठेकेदार, शिवचरण, बलबीर आदि मौजूद रहे।

एससी सेल प्रदेशाध्यक्ष ने दिया 23 की कार्यकर्ता बैठक का न्योता

झज्जर। इनेलो एससी सेल की एक बैठक शनिवार को पार्टी जिलाध्यक्ष सतपाल पहलवान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में एससी सेल के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर पहलवान ने मुख्य रूप से शिरकत की। उन्होंने कार्यकर्ताओं की बैठक लेते हुए पार्टी के आगामी कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भागीदारी आह्वान किया। उन्होंने बताया कि आगामी 23 अगस्त को इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला झज्जर व बेरी हलके के कार्यकर्ताओं की बैठ लेंगे। इसके अलावा पार्टी द्वारा देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की जयंती के उपलक्ष्य में आगामी 27 सितंबर को नूंह में सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सम्मान समारोह में पहुंचने का निमंत्रण देते हुए समारोह की सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान पार्टी में आस्था जताने वाले युवाओं का भी पटक पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस मौके पर राज्य उपाध्यक्ष अमित सिंह, एससी सेल जिलाध्यक्ष मास्टर सुखबीर सोरोहा, धर्मवीर दरोगा, पवन धनखड़, प्रेस प्रवक्ता योगेश सैनी, रामनिवास सैनी, कर्मवीर भदानी, अजीत, पवन आदि उपस्थित रहे।



झज्जर। बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए एससी सेल के प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर पहलवान। फोटो: हरिभूमि



बहादुरगढ़। महेश चौहान को बधाई देते अशोक राठी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष को दी बधाई

बहादुरगढ़। सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी ने शनिवार को हरियाणा भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष महेश चौहान से मुलाकात कर बधाई दी। उन्होंने किसानों के लोकर चर्चा की। इस अवसर पर राकेश, विकास कानौदा, अमरजीत, सचिन व मंजीत कानौदा आदि मौजूद रहे।



झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं प्रशिक्षक। फोटो: हरिभूमि

कौशल आधारित व अनुभववात्मक शिक्षण की दी जानकारी

झज्जर। कैबिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को सीबीपी के अंतर्गत शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य विषय नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क रहा। प्रशिक्षण में रिसोर्स पर्सन नीरजा और विकास यादव ने उपस्थित शिक्षकों को विद्यार्थी-केंद्रित, कौशल आधारित और अनुभववात्मक शिक्षण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। इस दौरान समूह चर्चा, गतिविधियां और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से प्रभावी शिक्षण तकनीकों पर भी चर्चा की गई। विद्यालय निदेशक धर्मेन्द्र जून ने प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के ज्ञान और शिक्षण क्षमता को बेहतर बनाने में सहायक हैं। उन्होंने शिक्षकों से प्रशिक्षण में मिली जानकारी और नई तकनीकों को कक्षा शिक्षण में लागू करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित करीब साठ शिक्षकों ने अपने अनुभव भी साझा किए।

सूचना

मैं, महेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरजन सिंह निवासी गांव डाबौदा खुर्द, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा बयान करता हूँ कि मेरा पुत्र नवीन शर्मा मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

NOTICE

I, Pooja Rani @ Urmila D/o Late Smt. Sudesh R/o Vill. Asaada Todran, Teh. Bahadurgarh, Distt. Jhajjar-124507 declare that in my all documents my name registered as Pooja Rani but in my mother, Late Sudesh Axis Bank Savings Account No. 911010009683019 my name registered as Urmila as nominee. So that Pooja Rani & Urmila are not two different individuals, but are alternate names referring to one and the same person that is, myself.



झज्जर। पुराना बस स्टैंड परिसर में हुआ जलभराव दिखाते हुए इनेलो जिलाध्यक्ष सतपाल पहलवान। फोटो: हरिभूमि

जलनिकासी व्यवस्था को लेकर गंभीरता से कार्य करे प्रशासन : सतपाल पहलवान

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

बारिश के बाद शहर में जगह-जगह हुए जलभराव को लेकर इनेलो जिलाध्यक्ष सतपाल पहलवान ने शनिवार को शहर के विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों से बातचीत की और जलभराव के कारण उन्हें हो रही परेशानियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बारिश के बाद शहर के कई हिस्सों में हालात चिंताजनक बने हुए हैं।

उन्होंने प्रशासन से जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल पंप सेट लगाकर पानी की निकासी कराने की मांग की। उन्होंने भगत सिंह चौक, छिक्कारा चौक, रोहतक रोड आदि स्थानों का दौरा भी किया।

विगड़ने की आशंका बनी रहती है। सबसे ज्यादा परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को हो रही है। कई जगह वाहन चालकों को गड्ढों से बचने के लिए अचानक दिशा बदलनी पड़ती है, जिससे दूसरी ओर से आने वाले वाहनों से टकराने का खतरा भी बना रहता है।

आनंद जून, सुरेंद्र दहिया, गुलाब सिंह व नवीन राठी आदि का कहना है कि सर्विस लेन की हालत लंबे समय से खराब है। यदि समय रहते गड्ढों की मरम्मत कर दी जाती तो बरसात के दौरान यह स्थिति पैदा नहीं होती। अब बारिश के बीच गड्ढों में रोड की सामग्री डालकर उन्हें भरने का काम किया जा रहा है।

सर्विस लेन की केवल गड्ढों को भरकर खानापूर्ति न की जाए, बल्कि पूरी सड़क की तकनीकी जांच करारक जरूरत के अनुसार मजबूत तरीके से मरम्मत या पुर्ननिर्माण कराया जाए।



बहादुरगढ़। महेश चौहान को बधाई देते अशोक राठी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष को दी बधाई

बहादुरगढ़। सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी ने शनिवार को हरियाणा भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष महेश चौहान से मुलाकात कर बधाई दी। उन्होंने किसानों के लोकर चर्चा की। इस अवसर पर राकेश, विकास कानौदा, अमरजीत, सचिन व मंजीत कानौदा आदि मौजूद रहे।



झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं प्रशिक्षक। फोटो: हरिभूमि

कौशल आधारित व अनुभववात्मक शिक्षण की दी जानकारी

झज्जर। कैबिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को सीबीपी के अंतर्गत शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य विषय नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क रहा। प्रशिक्षण में रिसोर्स पर्सन नीरजा और विकास यादव ने उपस्थित शिक्षकों को विद्यार्थी-केंद्रित, कौशल आधारित और अनुभववात्मक शिक्षण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। इस दौरान समूह चर्चा, गतिविधियां और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से प्रभावी शिक्षण तकनीकों पर भी चर्चा की गई। विद्यालय निदेशक धर्मेन्द्र जून ने प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के ज्ञान और शिक्षण क्षमता को बेहतर बनाने में सहायक हैं। उन्होंने शिक्षकों से प्रशिक्षण में मिली जानकारी और नई तकनीकों को कक्षा शिक्षण में लागू करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित करीब साठ शिक्षकों ने अपने अनुभव भी साझा किए।

सूचना

मैं, महेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरजन सिंह निवासी गांव डाबौदा खुर्द, तहसील बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा बयान करता हूँ कि मेरा पुत्र नवीन शर्मा मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

NOTICE

I, Pooja Rani @ Urmila D/o Late Smt. Sudesh R/o Vill. Asaada Todran, Teh. Bahadurgarh, Distt. Jhajjar-124507 declare that in my all documents my name registered as Pooja Rani but in my mother, Late Sudesh Axis Bank Savings Account No. 911010009683019 my name registered as Urmila as nominee. So that Pooja Rani & Urmila are not two different individuals, but are alternate names referring to one and the same person that is, myself.



बहादुरगढ़। नल से आया दूषित जल दिखाते वार्ड-13 निवासी।

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

पेयजल लोगों की मूलभूत जरूरत है। ऐसे में शहर के अलग-अलग हिस्सों में दूषित पानी की लगातार शिकायतों व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं। शहर के वार्ड नंबर-13 समेत विभिन्न कॉलोनियों में लगातार हो रही दूषित जलापूर्ति लोगों के लिए परेशानी का बड़ा कारण बन गई है। दूषित पानी के सेवन से लोगों के बीमार होने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। इसके चलते लोगों में जलजनित बीमारियों को लेकर डर बना हुआ है।

पूर्व पार्षद वजीर राठी का कहना है कि पिछले काफी समय से पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता को लेकर शिकायत

■ दूषित पानी के कारण परिवारों में आ रही पेट संबंधी समस्याएं

की जा रही है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा। कई परिवारों को मजबूरी में पीने के लिए बाजार से पानी खरीदना पड़ रहा है या घरों में आरओ और अन्य फिल्टर का सहारा लेना पड़ रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह अतिरिक्त खर्च परेशानी का कारण बन गया है। वार्ड नंबर-13 के साथ ही शहर के शास्त्री नगर व जटवाड़ा मौहल्ला समेत कई अन्य कॉलोनियों के लिए यह शुरु होने के दौरान पानी का रंग साफ नहीं होता। कई बार पानी में दूग्ध भी महसूस होती है। लोगों को पानी बाल्टी या बर्तन में कुछ देर रखने के बाद

ही उसकी स्थिति का अंदाजा हो पाता है। जगह-जगह लोकेज, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन और सीवर-पानी की लाइन के आसपास होने वाली गंदगी के कारण पेयजल पाइपलाइन में दूषित पानी पहुंचने की आशंका बनी रहती है। कर्मवीर सिंह, बसंत लाल, वीरेंद्र राठी आदि का कहना है कि दूषित पानी के कारण परिवारों में पेट संबंधी समस्याएं, उल्टी-दस्त व अन्य स्वास्थ्य परेशानियां सामने आ रही हैं। पानी की खराब गुणवत्ता को लेकर लोगों में चिंता लगातार बढ़ रही है। जहां पेयजल पाइपलाइन पुरानी या क्षतिग्रस्त है। यदि कहीं सीवर लाइन और पेयजल लाइन के बीच लीकेज या क्रॉस कनेक्शन है तो उसे तत्काल ठीक किया जाए।

कांवड़ियों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट

चालक धीमी गति से वाहन चलाकर उचित दूरी बनाए रखें और कांवड़ियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें

कांवड़ मार्गों पर 17 विशेष नाके, पुलिस पीसीआर व राइडर टीमों रहेंगी तैनात

हरिभूमि न्यूज़ ▸ झज्जर



झज्जर। कांवड़ यात्रा और लगातार हो रही बारिश को देखते हुए डीसीपी अपराध एवं यातायात शुभम सिंह ने वाहन चालकों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु जिले के प्रमुख मार्गों से गुजर रहे हैं। ऐसे में वाहन चालक धीमी गति से वाहन चलाएं, पर्याप्त दूरी बनाए रखें और कांवड़ियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। डीसीपी ने बताया कि कांवड़ियों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए प्रमुख कांवड़ मार्गों पर पुलिस बल, पीसीआर और राइडर लगातार गश्त कर रहे हैं।

तीन मार्गों पर विशेष व्यवस्था

जिले में तीन प्रमुख कांवड़ मार्गों पर विशेष व्यवस्था की गई है। इनमें एनएच-334बी

मेरठ-लोहारू मार्ग, एनएच-71 रोहतक-रेवाड़ी मार्ग तथा सोनीपत-बहादुरगढ़ मार्ग शामिल हैं। कांवड़ियों की सुरक्षा और यातायात नियंत्रण के लिए 17 स्थानों पर विशेष नाके लगाए गए हैं। इनमें आसीदा मोड़, बादली चौक, गिरावड़ चौक, सांपला फ्लाईओवर, डीघल चौक, मदाना चौक, जहाजगढ़ चौक, ग्वालिसन चौक, कोसली चौक, छुछकवास चौक, कुलाना चौक, सुरहेती मोड़ और सुबाना चौक सहित अन्य स्थान शामिल हैं। शुभम सिंह ने वाहन चालकों से रात में हेडलाइट, ब्रेक लाइट और वाइपर दुरुस्त रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि जलभराव वाले मार्गों पर अनावश्यक रूप से वाहन न ले जाएं और कांवड़ियों के निर्धारित मार्ग में वाहन प्रवेश न कराएं। दुर्घटना, यातायात अवरोध या आपात स्थिति की सूचना तुरंत डायल-112 पर दें।

समय के साथ बदल रहे कांवड़ के स्वरूप, बगमी मोलेनाथ व रथ जैसे रूपों में लाई जा रही कांवड़

झज्जर। शिवरात्रि के चलते शहर में कांवड़ियों का आवागमन लगातार जारी है। जिलेभर में जगह-जगह लगाए गए शिविरों में कांवड़िए विश्राम करने के बाद अपने गंतव्य की ओर रवाना हो रहे हैं। इस बार कांवड़ के स्वरूप में भी खासा बदलाव देखने को मिल रहा है। श्रद्धालु पारंपरिक कांवड़ के साथ पालकी, रथ, शिवलिंग और भगवान शिव की प्रतिमा के रूप में कांवड़ लेकर यात्रा कर रहे हैं। टोकनीनुमा कांवड़ों का चलन भी बढ़ा है। श्रद्धालु 21 से 121 लीटर तक की कांवड़ इन पात्रों में भरकर ला रहे हैं। वहीं, चांदौल धाम जाने वाली एक बगमी कांवड़ पर शिवमूर्ति दो बड़े ड्रमों में 321 लीटर जल लेकर यात्रा कर रहे हैं। वजनी कांवड़ों के कारण यात्रा में अधिक समय लगने के साथ श्रद्धालुओं को रास्ते में सहयोग की भी आवश्यकता पड़ती है। शनिवार को गुर्जर धर्मशाला में महेंद्रगढ़ जिले के पांथड़ा गांव जा रहे शिवमूर्तियों का जत्था भगवान शिव परिवार के दरबार वाली आकर्षक रथनुमा कांवड़ लेकर पहुंचा। वहीं यादव धर्मशाला में रेवाड़ी जिले के मामडिया ठेंवर के श्रद्धालु शिव-पार्वती की झांकी के साथ नजर आए। अलग-अलग स्वरूपों वाली ये कांवड़ शहरवासियों और राहगीरों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।



कांवड़ सेवा शिविर में गूंगे भगवान मोलेनाथ के भजन

झज्जर। कांवड़ियों की सेवा के लिए शहर के सांपला रोड स्थित चौहान पैलेस में शिव गुप्त सब्जी मंडी की ओर से आयोजित 13वें शिव कांवड़ सेवा शिविर में शुक्रवार रात भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युगल शर्मा, राजेंद्र वधवा, सुरेंद्र गंभीरिया, रोहित सोलंकी और योगेश रंजन सहित भजन गायकों ने भगवान शंकर के भजनों की प्रस्तुति देकर शिव भक्तों को भाव विभोर किया। इस मौके पर राजकुमार, सुनील, मनोज चुप, पंडित पवन कौशिक, नरेंद्र चावला, संजय भट्टिया, भरत सोलंकी, प्रिंस सेठी, उमंग खुराना, हेमंत वर्मा, डॉक्टर भारत भूषण नंदा, सतीश वर्मा, मनीष मेहता सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

9वीं सुपरफास्ट शिव डाक कांवड़ लाने के लिए भक्त रवाना



बहादुरगढ़। सोलधा से 9वीं सुपरफास्ट शिव डाक कांवड़ यात्रा शनिवार को हरिद्वार के लिए रवाना हुई। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी ने झांडी दिखाकर शिवभक्तों को रवाना किया। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था, अनुशासन, सेवा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। शिवभक्तों की सेवा करना भी भगवान शिव की सेवा के समान है। उन्होंने सभी शिवभक्तों से यात्रा के दौरान भाईचारा बनाए रखने और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने का आह्वान किया।

कुमुद और समीक्षा ने नेशनल में जीते मेडल



बहादुरगढ़। अपने कोचों के साथ पदक विजेता कुमुद व समीक्षा। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज़ ▸ बहादुरगढ़

दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 7 से 9 अगस्त तक आयोजित 20वीं ऑल इंडिया इंडिपेंडेंस कप कराटे चैंपियनशिप में बहादुरगढ़ की 2 खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेडल जीते। इनकी जीत पर परिजनों और खेल प्रेमियों ने खुशी जताई है।

प्रतियोगिता में देशभर से खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जुनून कराटे अकादमी की कुमुद ने सीनियर वर्ग के अंडर-55 किलोग्राम भारवर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक

हासिल किया। वहीं समीक्षा ने सीनियर वर्ग के अंडर-68 किलोग्राम भारवर्ग में दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर अकादमी के कोच पंकज तवर, अनिकेत गुप्ता, भरत यादव और चमन लाल ने खुशी जताई। कोचों ने कहा कि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है कि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पदक हासिल किए हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बेहतर भविष्य का आशीर्वाद दिया।

■ सवेरा स्कूल में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज़ ▸ झज्जर

सवेरा स्कूल में शटलकॉक कोच एवं रेफरी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में बिहार, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों से कोच एवं तकनीकी अधिकारी प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए पहुंचे हैं। शिविर का आयोजन शटलकॉक एसोसिएशन ऑफ इंडिया के



महासचिव एवं इंटरनेशनल शटलकॉक फेडरेशन के सदस्य सुदेश कुमार के नेतृत्व में किया जा

रहा है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को खेल के नियमों, तकनीकी बारीकियों, रेफरिंग

95 किलोग्राम भारवर्ग में सूरज राणा ने स्वर्ण पदक हासिल किया



हरिभूमि न्यूज़ ▸ बहादुरगढ़

लोहारू में हुई नॉर्थ इंडिया स्ट्रैथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप में बहादुरगढ़ के सूरज राणा ने स्वर्ण पदक जीता। कोच नीरज शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के 95 किलोग्राम भारवर्ग में सूरज राणा ने स्वर्ण पदक हासिल किया। उसका चयन रूस में होने वाली वर्ल्ड स्ट्रैथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप के लिए हो गया है। वह पहले भी कई प्रतियोगिताओं में

लोहारू में हुई नॉर्थ इंडिया स्ट्रैथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप में दिखाया दमखम

पदक जीत चुका है। नरेश गहलोत, शोभित, रवि, संदीप गहलोत, कुलदीप और प्रमोद ने भी रेलवे पुलिस फोर्स में कार्यरत सूरज राणा को बधाई दी।

सार्वजनिक स्थानों से लेकर खेतों तक पहुंचा हरियाली का संदेश

सर्वभद्र ग्रुप के सदस्यों ने ब्राह्मण जोहड़ा और रेलवे स्टेशन के आसपास पौधे लगाए

मिशन का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि लोगों को पौधों की देखभाल और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदार बनाना है: अजीत कुमार

हरिभूमि न्यूज़ ▸ झज्जर

पर्यावरण संरक्षण और शहर को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से सर्वभद्र ग्रुप द्वारा चलाया जा रहा ग्रीन झज्जर मिशन लगातार जारी है। ग्रुप सदस्य शहर के स्कूलों, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थानों, सड़कों के किनारे तथा खेतों की मेड़ पर पौधरोपण करते हुए उन्हें पौधे वितरित कर रहे हैं। ग्रुप सदस्यों द्वारा कोसली मार्ग स्थित ब्राह्मण जोहड़ा व रेलवे स्टेशन परिसर के आसपास करीब सत्तर पौधे रोपित किए। इस मौके पर ग्रुप के अध्यक्ष अजीत कुमार सांभरवाल, मोहित, कार्तिक, अनुप, विष्णु, साहिल सहित अन्य भी उपस्थित रहे। अजीत कुमार सांभरवाल ने कहा कि मिशन का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि लोगों को पौधों की देखभाल और पर्यावरण संरक्षण



झज्जर। अभियान के दौरान ब्राह्मण जोहड़ा तालाब परिसर में पौधों के साथ उपस्थित ग्रुप सदस्य। फोटो: हरिभूमि

के प्रति जिम्मेदार बनाना है। अभियान के अंतर्गत रविवार को शहर के रेवाड़ी स्थित बल्लू वाली कुई व रामबाग में पौधरोपण किया जाएगा। अजीत कुमार सांभरवाल ने कहा कि हमें अपने जीवन में हर शुभ अवसर पर पौधे लगाने चाहिए।

शुभ अवसर पर लगाएं पौधे

आधुनिक युग में ग्लोबल वार्मिंग के चलते शुद्ध वायु मिलना दुर्लभ हो गया है।

ग्लोबल वार्मिंग के चलते कई प्रकार के खतरे पैदा हो रहे हैं। पर्यावरण प्रदूषण विश्व की सबसे बड़ी समस्या बना चुका है। इसका समाधान खोजना बहुत जरूरी है। आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण देना हम सबकी जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनके संरक्षण की भी जिम्मेदारी लेनी होगी ताकि बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण पर रोक लगाई जा सके।

बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक और अभिभावकों की भूमिका महत्वपूर्ण : गुलिया

हरिभूमि न्यूज़ ▸ झज्जर

एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में शनिवार को अभिभावक-अध्यापक मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लेते हुए विषय संबंधित अध्यापकों से अपने बच्चों की पढ़ाई, अनुशासन, उपस्थिति, व्यवहार, एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों बारे विस्तार से चर्चा की। शिक्षकों ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों के साथ-साथ उन क्षेत्रों की भी जानकारी दी, जिनमें बच्चों को बेहतर प्रदर्शन के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की आवश्यकता है। इस दौरान अभिभावकों ने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन, खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों की सरासरी की और अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रबंधन समिति के साथ साझा किए। एचडी ग्रुप

डायरेक्टर रमेश गुलिया ने कहा कि बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक और अभिभावक दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करने के साथ-साथ बच्चों में संस्कार, आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी हमारा प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने बताया कि संस्थान का लक्ष्य केवल अच्छे विद्यार्थी तैयार करना नहीं बल्कि अच्छे इंसान और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है। इस मौके एचडी ग्रुप सचिव विशाल नेहरा व हेमंत गुलिया ने अभिभावकों की सहभागिता को सराहा और उनके बच्चों की शैक्षणिक मुश्किलों का शीघ्र निदान करने का आश्वासन दिया। प्राचार्या प्रीति राठी और एक्टिविटी इंचार्ज कमलेशा दिल्लों ने विद्यालय पहुंचने पर अभिभावकों का आभार जताया।



झज्जर। शिक्षकों से मिलकर अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति का जायजा लेते हुए अभिभावक।

खबर संक्षेप



बहादुरगढ़। पदक विजेता शूटरों का स्वागत करते खिलाड़ी व अभिभावक।

मुदित ने स्वर्ण व उत्सव ने रजत जीता

बहादुरगढ़। दिल्ली के द्वारका में हुई सीबीएसई नॉर्थ जोन शूटिंग चैंपियनशिप में बहादुरगढ़ की जेएसआर शूटिंग अकादमी के 3 शूटरों ने शानदार प्रदर्शन किया। अकादमी संचालक एवं कोच नीरज लोहचव ने बताया कि मुदित ने गोल्ड मेडल और उत्सव ने सिल्वर मेडल जीता। इस प्रदर्शन के दम पर मुदित, उत्सव और रीवान ने सीबीएसई नेशनल चैंपियनशिप के लिए तालीफाई कर लिया। उन्होंने तीनों को इसके लिए बधाई देते हुए शुक्रकामनाएं दीं।



झज्जर। पेरेंट्स मीटिंग के दौरान उपस्थित अभिभावक एवं शिक्षक।

अभिभावकों ने ली बच्चों की प्रगति रिपोर्ट

झज्जर। आरपीएस स्कूल में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन एवं सर्वांगीण विकास को लेकर पेरेंट्स-टीचर्स मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लेते हुए शिक्षकों के साथ मिलकर अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति के संबंध में विस्तार से चर्चा की। प्राचार्या अंजू यादव ने कहा कि अभिभावकों और शिक्षकों के बीच नियमित संवाद से बच्चों की शैक्षणिक कमियों को दूर करने के साथ-साथ उनकी प्रतिभा और रुचि को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के बेहतर अवसर प्रदान किए जा सकते हैं। अभिभावकों ने भी शिक्षकों से अपने बच्चों की प्रगति को लेकर चर्चा करते हुए आवश्यक सुझाव दिए। विद्यालय के अध्यक्ष श्रीभगवान यादव व निदेशक हंसराज यादव ने आह्वान किया कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अभिभावक और शिक्षक एक टीम के रूप में कार्य करें।



कामरेड शिवदास घोष को दी श्रद्धांजलि

झज्जर। एसयूसीआई कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक महामंत्री एवं पथ प्रदर्शक कामरेड शिवदास घोष की पचासवीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में शनिवार को चौधरी छोट्टराम किसान धर्मशाला में एक प्रदेश स्तरीय स्मृति सभा का आयोजन किया गया। कामरेड अनूप सिंह मानदेस की अध्यक्षता में आयोजित इस स्मृति सभा की शुद्धांत कामरेड शिवदास घोष के चित्र पर पुष्प अर्पित करके की गई। मुख्य वक्ता के रूप में पार्टी के केंद्रीय कमिटी सदस्य कामरेड अरुण कुमार सिंह व प्रदेश कमिटी सचिव कामरेड राजेंद्र सिंह ने शिरकत की। मंच संचालन स्टेट कमिटी सदस्य जयकरन मांडौरी द्वारा किया गया। कामरेड अरुण कुमार सिंह ने कहा कि यह स्मृति सभा केवल रस्म अदायगी नहीं, बल्कि कामरेड शिवदास घोष की शिक्षाओं और संघर्ष को जनमानस तक पहुंचाने तथा अपनी जिम्मेदारियों को समझने का अवसर है। उन्होंने बताया कि कामरेड घोष मात्र 13 वर्ष की आयु में स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हुए और 1943 से 1945 तक जेल में भी रहे।

छेड़खानी के आरोपी को किया गिरफ्तार

झज्जर। हरियाणा पुलिस के ऑपरेशन ट्रैक डाउन अभियान के अंतर्गत थाना शहर पुलिस ने लड़कों का पीछा करने, बिना सहमति फोटो-वीडियो बनाने और वायरल करने की धमकी देने के आरोपी रविंद्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की। पुलिस के अनुसार पॉइंट के परीजनो ने हिरागत दी थी कि आरोपी लगातार लड़कों का पीछा करता था और उसकी फोटो व वीडियो बनाता था। आरोपी ने मोबाइल पर लड़कों की फोटो भेजकर उसे पचवाने की बात पूछी और बाद में उसे परेशान करता रहा। शिकायत के आधार पर थाना शहर में मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। जांच में आरोपी के खिलाफ पहले से 10 आपराधिक मामले दर्ज होने की बात सामने आई है। ये मामले झज्जर, रोहतक, रेवाड़ी, वरखी दादरी और दिल्ली के विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़

झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर

फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 × 8 से.मी	स्थानीय संस्करण के	₹. 2500/-
10 × 8 से.मी	अन्दर के पृष्ठ पर	₹. 3000/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए काई रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400

बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900